सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई की कठिनाइयों पर शोध कर रहे छात्र

वीर माधो सिंह भंडारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र प्रदेशभर के स्कूलों का आचरण भी जान रहे

करन सिंह दयाल

देहरादून। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शैक्षणिक कार्यों में आने वाली कठिनाइयों पर वीर माधो सिंह भंडारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के छात्र शोध कर रहे हैं। विवि के छात्र प्रदेशभर के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल में शोध करने के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के लिए बच्चों का आचरण भी जानेंगे।

एक विश्वविद्यालय-एक शोध योजना के तहत विवि के छात्र विद्यालयों में शोध कार्य कर रहे हैं। इस शोध कार्य में बच्चों के साथ अभिभावकों, शिक्षकों के साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जा रहा है। शोधार्थियों के अनुसार, प्रदेश में पलायन का सबसे बड़ा कारण सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शैक्षणिक कार्यों का न होना है। विद्यालयों में इंटरनेट, कंप्यूटर आदि की सुविधा न होने से भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। एआई और सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से शैक्षणिक कार्यों में सुधार लाया जा सकता है।

शोध रिपोर्ट के आधार पर बनेगी कार्ययोजना

सरकारी स्कूल में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने के लिए शोध रिपोर्ट के आधार पर एआई और सूचना प्रौद्योगिकी के सहयोग से कार्ययोजना तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट विश्वविद्यालय की ओर से संबंधित विभाग को भी भेजी जाएगी। इसके बाद प्रदेश के पर्वतीय जिलों में पलायन और शिक्षा के लिए बच्चों को दूसरे राज्यों या मैदान की ओर दौड़ लगाने से रोकने में मदद मिल सकेगी।

> चार चरणों में चल रहा शोध कार्य 12 महीने में संपन्न करने का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य के हर जिले में राजकीय विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों की स्थिति का समग्रता से आकलन करने के लिए लघु शोध अन्वेषण समिति का भी गठन किया गया है। विवि की ओर अपने परिसर संस्थानों व अन्य राजकीय व निजी संस्थानों को जिलों का दायित्व जिलेवार सौंपा गया है। हमारा उद्देश्य प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार पर पलायन रोकना है।
>
> **- प्रो. ओंकार सिंह,** कुलपति, यूटीयू